

**कंदमूल** पुं. (तत्.) कंद वाली जड़, ऐसा पौधा जिसकी जड़ गोल, मोटी और गूदेदार होती है।

**कंदरा स्त्री.** (तत्.) पर्वत के मध्य पाया जाने वाला एक विशेष रिक्त स्थान (गुफा), गुहा, घाटी।

**कंदर्प** पुं. (तत्.) कामदेव, प्राणियों के अंदर कामभाव को उत्पन्न करने वाला देवता।

**कंदुक** पुं. (तत्.) गेंदा।

**कंधा** पुं. (तद्.) मनुष्य के शरीर का वह अस्थियुक्त भाग जो गले और भुजाओं के बीच में होता है मुहा. कंधा देना- अरथी में कंधा लगाना, सहारा देना।

**कंधार** पुं. (तद्.) 1. गर्दन, ग्रीवा 2. गांधार, कंदहार, अफगानिस्तान का एक नगर और प्रदेश का नाम।

**कंधारी वि.** (तद्.) जो कंधार देश में उत्पन्न हुआ हो, कंधार का, जैसे- कंधारी घोड़ा या अनार।

**कंपकंपी स्त्री.** (तद्.) दे. कंपन।

**कंपनी स्त्री.** (अं.) 1. कोई व्यावसायिक प्रतिष्ठान 2. (सैन्य) बटालियन की सबसे छोटी इकाई 3. संगति। company

**कंपमान वि.** (तत्.) हिलता हुआ, काँपता हुआ।

**कंपा स्त्री.** (देश.) बाँस की पतली-पतली तीलियाँ जिनमें लासा लगाकर चिड़ियों को फँसाते हैं।

**कंपाउंड** पुं. (अं.) 1. अहाता, चारदीवारी के अंदर की खुली जगह 2. दवाइयों का मिश्रण।

**कंपाउंडर** पुं. (अं.) डाक्टर/चिकित्सक का सहायक।

**कंपायमान वि.** (तत्.) हिलता हुआ, कंपित।

**कंपास** पुं. (अं.) कुतबनुमा, दिशासूचक उपकरण, दिक्सूचक।

**कंपित वि.** (तत्.) 1. काँपता हुआ 2 अस्थिर।

**कंपीटीशन** पुं. (अं.) किसी विषय में दो या दो से अधिक वर्गों/दलों के मध्य होने वाली स्पर्धा, प्रतिस्पर्धा, प्रतियोगिता, होड़।

**कंपोज करना स.क्रि.** (अं.) शब्दों और वाक्यों के अनुसार टाइप के अक्षरों को जोड़ना, अक्षर-योजन।

**कंपोजिंग** पुं. (अं.) दे. कंपोज करना।

**कंबल** पुं. (तत्.) ऊन का बना हुआ मोटा वस्त्र।

**कंसर्ट** पुं. (अं.) अनेक गायकों-वादकों द्वारा संगीत की सार्वजनिक प्रस्तुति।

**कंकड़ीला वि.** (तद्.) कंकड़ युक्त।

**कँखवारी स्त्री.** (तद्.) बगल या काँख में उठा हुआ कष्टप्रद फोड़ा।

**कँखिया स्त्री.** (तद्.) 'काँख' (तत्.-कक्ष) का देशज या तद्भव रूप, बाहुमूल के नीचे की ओर का गड़ढा, बगल उदा. एक कहत मोहि सकुच अति रहा बालि की काँख -मानस।

**कँखौरी स्त्री.** (तद्.) दे. कँखवारी।

**कँगना** पुं. (तद्.) 'कंकण' 1. कलाई या पहुँचे में पहने जाने वाला चाँदी, सोने या अन्य धातु का गोलाकार आभूषण 2. वह मांगलिक-धागा जो वर और वधू को विवाह के अवसर पर उसकी कलाई में बाँधा जाता है और जिसमें लोहे का छल्ला और राई नमक आदि रखे जाते हैं और यह कलावे का बना होता है 3. कड़ा, वलय 4. वह गीत जो कंगन बाँधते या खोलते समय गाया जाता है।

**कँगनी स्त्री.** (तद्.) 1. छोटा कंगन, ('कँगना' का स्त्री.) 2. छोटे दानों वाला मोटा अनाज जो वर्षा ऋतु में बो कर मात्र तीन महिनों में पक जाता है तथा इसके दाने लाल, पीले, सफेद तथा काले रंगों के होते हैं इसे 'कँगनी' या 'कँगुनी' कहते हैं। 3. छत या छाजन के नीचे दीवार में उकेरी या उभरी हुई लकीर जो प्रायः सुंदरता के लिए बनाई जाती है, कगर, कार्निंस 4. बाहरी किनारों पर दाँत या नुकीले कँगूरों वाला गोल चक्कर।

**कँगला वि.** (तद्.) 1. दीन और अत्यंत गरीब, भुखमरा, भूखा तथा विपत्ति या अकाल का मारा